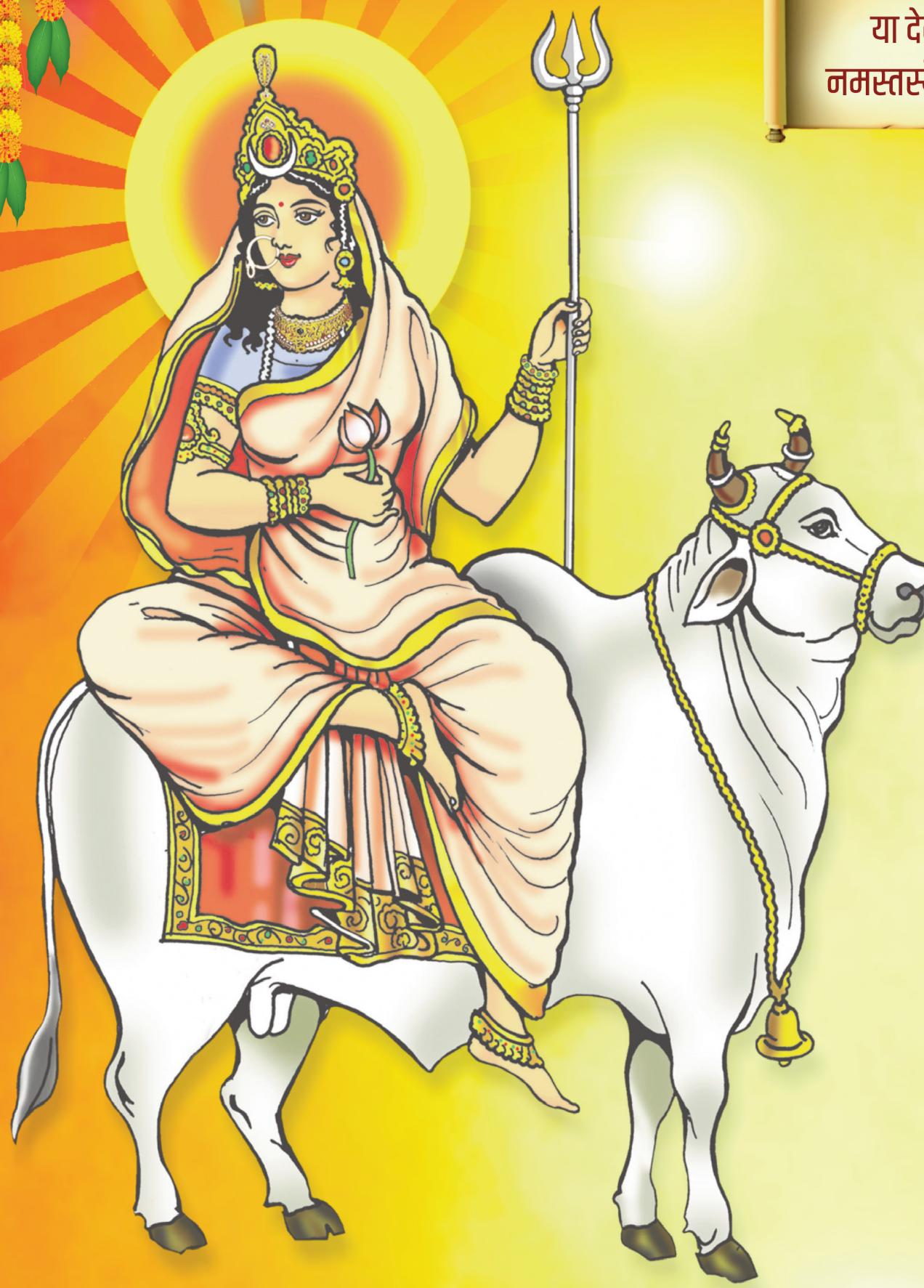




या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता।
नमस्तद्यै, नमस्तद्यै, नमस्तद्यै, नमो नमः ॥



= मां शैलपुत्री की आरती =

शैलपुत्री मां बैल पर सवारा।
करें देवता जय जयकारा ॥

उसकी सगड़ी आस पुजा दो।
सगडे दुर्घ तकलीफ मिला दो ॥

शिव शंकर की प्रिय भवानी।
तेरी महिमा किसी ने ना जानी ॥

घी का सुंदर दीप जला के।
गोला गरी का भोग लगा के ॥

पार्वती तू उमा कहलावे।
जो तुझे सिमटे सो सुख पावे ॥

श्रद्धा भाव से मंत्र गाएं।
प्रेम सहित फिर शीश झुकाएं ॥

ऋषि-सिद्धि परवान करे तू।
दया करे धनवान करे तू ॥

जय गिरिराज किशोरी अंबे।
शिव मुख चंद्र चकोरी अंबे ॥

सोमवार को शिव संग प्यारी।
आरती तेरी जिसने उतारी ॥

मनोकामना पूर्ण कर दो।
भक्त सदा सुख संपत्ति भर दो ॥

शारदीय नवरात्रि

के पावन पर्व की आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं

मां दुर्गा का प्रथम
स्वरूप
मां शैलपुत्री
को कोटि-कोटि
प्रणाम



पंकज डावद
विधानसभा : गुरुग्राम